॥ए०॥ ॐनमः॥ ॥अथ अरबंगीताल्लिरमते॥ ॥रागधन्यासीरी॥ ॥ॐनमोत्रीगुणपतिरायजी॥ सर्वेपेरेलीजेसजायजी॥ अ
गमअगोचरजेरुनेवेदगायजी॥ तेरुनावणचेतविनेलाधुंपायजी॥१॥उद्यलो॥ ॥वणचिंतविस्तुतिकरुं॥ चिरुनालिंतब्रह्मा
नंदनि॥ अणछुताअखोअभारोपकरें॥ तेकद्यानिजआनंदनि॥१॥गुरुगोवंदगोवंदगुरुं॥ तेरुनुनामयुगुरुपएकं॥ तेरु
नेस्तवुनिचोनली॥ कसेबुध्यमानविवेक॥२॥ परातेपरपरब्रह्मजे॥ तेमनवाणिनेअगम॥ तेरुनोतत्वज्ञअपिलके॥ तिभा
वेगुरुतेवल्ल॥४॥ स्वानसुकरबिलमिंघरतेरुनाटोल्लामाहेजोंतातेरुनेतेमुंकेरुरीकरी॥ जेमलेंऊतगुरुसंत॥५॥ गुरु
महिमाछेअतिघणी॥ तेकोयअमजेयेंतगुणी॥ जेगुरुगोविंदएकतामजे॥ तेरुनेत्यागांसतगुरुबांण॥६॥जेमरविंदाकरवि
धामनइ॥ तेमगुरुरेखाकरामा॥ तेमाटेहरितेगुरु॥ गुरुगोविंदएदुर्लनागु॥७॥ घितसमोतेसंतनाजेगुरुगोवंदएकतामजे॥
जिमविद्यामाहरसकस्यो॥ नाश्वणघमांसुपनिपजे॥८॥जीमसुवर्णकरामोहरसांहेअनुभवछेअतियणी॥ तिमगुरुम
जनमांसवअंगावइं॥ जोमनवलिगुरुनाचणकहणि॥९॥जीमबधीरमजाणेनादसुखने॥ स्वादनहोइरसनाविना॥ तिमगुरुविनाहु
रातविमलेंजीमनीगनपामेनिरधना॥१०॥ कहेअखोकहूंवलिवलिजोडालवाहेकोजेतने॥ चेत्यारत्नसुंगुरुमाधरी॥ तो
सवीहरीयुगसंतने॥११॥ ॥कडबुं॥१॥ ॥कविजनअगेग्रंथबहुकस्या॥ विधरकेरायगतेविस्तस्या॥ खटदर्शनेनामतबल्ल
उचस्या॥ सर्वनाकर्वातानेवेनामेबहुउथस्या॥१॥ ॥उद्यलो॥ ॥बहुजाथसाबहुस्कृतिकरी॥ एविग्रंथकारहिरीमहें॥ क
लंयुगआगलअस्वद्योतकिस्या॥ एहविबोलवानिनित्यछे॥२॥जाकविआगलवाहुकलो॥ सुरतमनेवहरीयथा॥ पारिजातक
पासेअथाअरणी॥ माहाकविआगलतलंतुया॥३॥ गुरुआगलयथाकुरुणी॥ सागरआगलकूप॥ मेघआगलयथाकाक
ल॥ क्यांतेलकीहतुपा॥४॥ बावनाचंदनावेहकआगलं॥ कस्योमोनेकरोर॥ कस्युंनिरनवीणहो॥ जिश्वरअकुंपिकानुंनिर
॥५॥पारअनापरतापआगलं॥ अल्पविद्याकणमात्र॥ किएकरदेवउपगमाजेहनेकरेअहोपात्र॥६॥एहवाकविजनग्रंथ
आद्योगचितवचनबोलतास्वा॥ कहुंकोपकोअकरोरखें॥ लेंउंबालकबुछेबोलवा॥७॥तिएग्रंथपेहुंहुंमजणावुं॥ अ
मोमगणजगणनथीजाणता॥ तुकचीजनेफरफरमक॥ अमोलघाविनानथीआणता॥८॥ इमगणितपणेगुरुआसयाकरु
णाउपजावीकविजनइ॥ हूंएहलोकहितोस्तवुं॥ जोलोकवितानाणुंमुजनें॥९॥ हूंजेमहाकनेरीस्तलि॥ चालाकरेअपार॥ एणका

ब्रह्मांडेकांइनथी। एतो कऊंचांपेसुत्रधार।५।७। कहेअरवोसहकोसुणो। इमअमजोनिजऊंतनं। हिनोपरमपदनेपांमवा। तोयु
बोहरोसुरसंतनं।११। ।कडबा२। ।अणछुतोआत्मातेसुंआचरे। आपकेरुंवणनआपंकरे। जिवकेरुंपहनेजोतो
नहिसरे। सारद्यजोगजोतोहेहरोउगरे।१। ।उथलो। ।उगरेजवीव्यारकरना। ब्रम्हाहिकऊंयहरचा। तमातहरिनेउपरवो
ध।। जो।आंसुरषअजनकसा।२।जेपहसिवनातंपत्रतें। हतेकहविमुवोकरो। आकासवतकेराकह्या। तेरवीअनेउरमावरी३
विवेविसीहेकहिकह्या। रघुनंदनेजेहा।अणवब्रम्हविद्यातणो। नाइहखाम्योबेतेह।४। अनेतप्रकारेअच्युत। प्रारथनेकरुंजो
न। गातागइगोवेदं। कमयोगनिधीना।५। समझ्याआसांनिकरो। जनकेऊंसुषदेव। महामुगनथनेपरवस्या। जारेप्रीछ्योअंत्रना
नेह।६। ।आंसंभवोनसांनिध्य। पौरुवपरतेजेकह्यं। सीतिपवेसीतकिआ। हत्यानुंहरदग्युं।७। वेहमासेवहवेच्या। कमथमपो
ष्याजीवने। तीणाहऊंजागाहऊंवा। जोनजाणोसीवने।८। पछेनारहनारायणकसुं। नऊंतीनकलंमाहेजने। तारद्यापाय
ननीहाज्यआगी।जारेकृपाकिधीसनऊंने।९। शीवकऊंसीवाप्रतें। नीरालेबलिजीमं। अमरकिधोआतमा। अद्यापीरुं
सूनाम।१०। कहेअषोवस्कहोनविना। कुयऊंनोऊंतनं।नाऊंवामरुंपावा। तमेयवोहरीसुरुंतने।११। कडवो३
जेतेनजाणेजेणेनिजआतमातिनटकोनमोमायाकेराग्रथमारेणी। नीलुंघरपीमेंप्राहमा। जमहीनईहिसमोतेयएन
मेरातमा।१। उथलो। ।रात्यमुंदुरुवहेंघणुअहींने।आवस्योछतो। तेनिजआतमाथीउतरीने। जीवरतोमायावतो। चजिमसुतान
रानेंद्राविषे।तेमायावस्कबिसारयं। कायाकारणपांतथइने। नीरावस्यपाहुतंवं।३। नाइआपद्यकिंउतलिंबंके। अरुंनावनाउ
पजइ। पछेविपरातनआवनामतआणे। इस्वपामेथीकेंगजे।४। पंचपदारमायाअविद्या। कुंमारुंआद्येसहि। तिफरेफेरावस्कजवविषइं
जिमभुणानागमेंआंधलोअहि।५। तेजोगदषीलुरघाई। जऊंवेहेजोविषे। संसारनायुषअथाकजाणो। कर्मसोहीकलितनषो।६। क
मजऊंनेकमवोहुंता। पणमयनेंमकेंचमत्रा। फरोफरतिआरं। पणटलेनहिहेंचमनो।७। परमातमानेहयग्रहइने। आतमाईजोजु
वें। इंद्रीनादषाविषयेंस्वामी। इमआपोपनरहशीटं। विषवेलकरेंहरायां। जेवपणुंहेजीवनई। अंतानेअवजोफरें। तेजनमुरव
नोहोयिवनई।९। संयारनासुषअथाकहेषी। कापामांनइस्चरी। पणअंतरमांहुंजोनमजाणुंजे प्राणपतिगयोविस्मरी।१०।
कहेअरवोसहकोसुणो। जोआणेजीवनाअंतनई। हेनोपरमपदनेपामवा तो। सेवोहरीसुरुंतनें।११। कडवो४। ।२।

गसांमेरी। कालकरुवानिं। जीवनीआद्यविद्योरोरेपंडीतो। आद्यजोतांअनाद्यहिसें। देहतणीछायाहेविषं। जाहोरमध्यआवेयु
रजसीसें।१। जीवगा। तनमननेउलरवाविनाआफले। जीमसुत्रधारनावनिजनिमें। तेरुंसुत्रधारतिणेनावबेग्रथकें। पछेपरवसपम्यो
पैंद्यकर्मे। २। जीव।२। तनमननोकांजीवगणेमाहुं। एणभवसागरविषेकालवेहें। कमनोवायुनेंवसायुं मोलवा। तारेग्रथथीवाहु
वरकिजनेहें।३। जीव।३। भ्रमात्रम्योलटकोयसुभवविषेंगुरुजी विहनासरणपाखें। मायारुपणीमाजवाहुलिअखा। तेजोणनिजमु
नेनेदराखें।४। जीव।४। चाल्यु। ।मनमनसमझेंजमायाहणो। तेनरजाणेरुंतेघणुंबोलणो। तेहनेजाणेजउंनीआपणो। तेभवमांजु
टकेरुंहथीभ्रमिघणो।१। उथलो। भवमांहुलटकेघणीं। पोतानीकरीनेगं। जेमविश्वासीनेंवधेवरी। एमथेमारहगें।२। जामपाछे
खरोखवाटको। तेनेभक्षनोगआपेघणुं। पछेवधकरेवारुकरीनें। एवभणेग्रथजातणु।३। तेमीतेजाणेमाहरो। एपालकपोषकहेंम
णि। तिनेआपजाईअरपका। मोहेंमहीईअतिघणो।४। बाह्यलजोणवामहक्षणो। वणहेसोकेफेरहे। माहुंजनमुकावावाकरे। तो
साथेजवनेसंचरई।५। उपरहथफेरवईथकें। मनमांहिनोजोलेतेहनें। पणसुनातेमनवातभलगी। तेनारनीलिंभलिदहनें। इ। अंतमा
आमेबहुतणा। जोनेजाणेअजहलें। तेहनेजवनजाणेभलहुंकरुं। जोघणेरूवभवले। उचरणउचेंअंहोमुखें। नेद्युतराषेसरें। माथाकें
रीतएहवि। अंत्यजावनेइमकरें।८। विषेदषाहेविश्वने। विश्वचित्रविचीत्रतवित्तधरें। तेपरीतनहुतेमाहाप्रभुजी। माहाजोगाकिमपा
मेसरें।९। तारेंपरीनरुपेबोलीमाया। कमनोकीस्त्यघली। तेविसहरीनेवारदषाहुं। नानाविधकहेंनणिनणि।१०। कहेअरवोसहचउप
जोतोएंपाषेजतनं। कमगेहनेरुंकोवांमवातो। सवाहरीसुरुंमनेनें।११। कडवोप। ।एमएमायाहुसनाहुनाहरा। कमहुंमनाराहबहुठ
वरें जिवेकेरामनमेंअतिघणुआवरें। तेएसरजनभवफेरोफरें।१। उथलो। ।फरेफेरोभवविषें। विषेनोतोणावहें। प्रतसजोगदषेभलो
वलिपंहितनपाखनारहें। २ केमनोफलऊंखेमाया। कमनोफलऊंखेमाया। वलीमायाबिगोनेकथें। राष्टकेरेबाहुणें। जाहबांधाजिव
रायेंजुथें।३। अंतरमांहेथीमनरुपें। संकल्पविकल्पबहुतसुतऊणें। तिमरवमाहानवनवा। जीमईंजालिंगोटकागणें।४। कमुफलने
जावकेरा। जोगमायामेंजवहें। विसेरहमाहेमूकी। इमऊंगतनेंजेलवें।५। मायास्वर्गकेराजोगवघालें। मनेविकरेषाहेनकनी। नि
नाकांमनाईत्यागफरें। गतजेरुविरुपवक्तनिं। हेकांमक्रोधनेंधन्यहरा। मातपीतासुतबांधवा। वर्णवेषनेरुपमूंडा। नमणदमणटेववी
ना।७। चाल्यचातुरावोहविद्या। अवोध्यास्वसाहमो। पंडीनजाणेकविगुणीहलो। सवमायाकेराआराधनो। टारमेरमाहेंआपमाया। नी

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

चोउबोलेइचर्ढं। जोममकटहेमें मागतो। जोरूकके केरुवहें। ए। एमजमेवक्रूलवविषें। पूणनेहकोयलेंनहि। हेरासंचारोमोहेमायानो। नुजवणी
मोरिएमहि। १०। कहेअखिलसक्कोसुणो। जोजुवोअमरजंतन। एजोजमांहेनथीनासरो ना। सेवोहरीगुरुसंतनइं। ११। कलबीद। । मायामोटीझ
गमांहेनटि। तेआगजकोयनसकेखटि। हरीहरअजेथीजेआधोवटि। समजिनजाईएबीमाया अटपटि। २। उथलो। । समझीनजाईएहविमा
यादीसेनहिनेबलवहि। चोदलोकनिआद्यमाता। उकोरूपेरहीरही। २। त्रीगुणपेहीलीलुमच्यामनि। तिणीगुणीजनपीठलाकस्या। जननीथ
थीयोछिता। बलपो। खिणीतेवस्या। ३। चिदशक्तिचतुराचराचरगुणसाथेरूजेनमि। हवाणवनागमानीरमेरपोएकछि। ४। उरगणिजी व
मउरगछके। एकिमेपाछोनखेंतिमुमाया चित्रा क्रिमोटें। मोहुसामथ्थरहिषें। ५। त्रीगुणथइचो विससेषें। तेरलोनेएकमूकथी। जोमजलजो
मेमीनजोगे। तहनेजुकताप्रगटेमांहेथी। ६। सत्वरजतनमरूपेथीमाया। पढेएकिकालबलथया। पंचचतनेपांचमानरा। तामसनांनिपछिर
सो। ७। राजसनांइंद्रीदशो। इन्द्रोतरूलोदेवता। इंद्रीयइंद्रीयतेवस्या। आपापणस्वलसेवता। ८। मरचुथी चित्तअहंकारजे। तेसचगुणथी
उपना। एसहजांचो विसकारणा। माया मबलितसपना। ९। शक्तितिनेपचविसमि। परीवारतेहनोसबेकहा। १०। लबविसमोपरमानमा। ते
यथारथजेहतेमरसुा। ११। कहेंअखिलसक्कोसुणो। एकफलेथीमैंतने। एमसमजेकामसरेनरुं। जोसेवेहरायुरुसंतने। १२। कलबीद।
एणअनुक्रमेजगतनेजाणी इं। त्रणलुवनमाएपरमाणिइं। स्थुलनेसुक्ष्मजेकछजायवाणिइं। एटलुमेंमायावषाणीइं। २। उथलो। ।
मायावषाणीइमात्रएलें। सृष्टपछारथजेटलें। सृष्टएथथजेकरावे। पाछोपछासेतेटले। २। उपनुतेअलपथनिश्चे। ब्रह्मा आद्यकि
ढजे। जेजायोतेजायसाणे। अवरमेंकोमेटसे। ३। अमरहोनवकूलवताजी। वैसुरजाएवीलें। जाईजोगअहागसाहुका। तोतेएप्ररुहि
जिवकिटलेनजें। ४। तीजावएजोधरेनिगुणे। तोतेहनेवपाढोवनें। कालमायादुनाटकएहवुं। उपजाविअहनिसगलें। ५। जोमकरसणी
उछेरेकरसणा। तेकाचुपाकुंसरवनषें। तीमजगतकरसणकालमायाहु। नघुकेखाधापखें। ६। जोममेघनाबेडुनाहुनामोटा। रेजाइअथ
विपरीतीममाय्यालेमनसक्तजासरी। ७। जेआईपोतानाधर्मी। ७। अणबीनहुंमलछी। जोनवसेनवाएनरीनलें। सेकुथयोसरीतारूपें। ते
मारेबाधायेगलेछ। तममायाएजगतनिरमुा। कालुबोले सर्वथा। परमात्मा विवेककारणा। तेहनेकहयामानावेकथा। ९। माहालेमाथेअ
नेतरूपे। एणअपूतनेजासेंनलि। जमबाजकेघेघालियो। रमेअनतप्रकारेएकछी। १०। कहेअखोसक्कोसुणो। जोनाआणमायामा
अंतने। तोआपोसउलखो। जोमेवोहरीगुरुसंतने। ११। कडबोद। रागआसावरी। मायाणीकहिजाणीयतोपरब्रह्मराथीइ। साधीईचाली

नेचित्तधरें। सद्गुरुकेराचरणनमस्करि। पारगफालिडीमनसुरें। १। माया। २। मनकरुवबरेंगुरुतेगेदेखरा। लिलेजांणी ईभाव
वीनें। जासनवर्णअर्थेनआसुंमनुं। सोरसुकिबहुएमरिजे। २। माया। ३। जिपरब्रह्मीजीवेंजेतें। सिलछायेनहि। जीनिहेरा। कनेतिमर
ग्रासें। तेपुरुषनेपरीपरीआवनेजेइं। तोमायारूपीयुगेदेनमपें। ३। माया। ४। जीएकाष्टब्राविपकेवृक्षी ज्वालाविषें। तेकाष्टफि
टिनेजावेछाइ तिमजगतमांमायाव्यापीरही। तेलांमायाफरीवणसियें। ४। माया। ५। देवीमायातो। नरनेउपजेछिवे
रागजी। तेहनांदुजेहसवेरागजी। आरतकरीगरुविवेकभागजी। नहिंपाछुरहाकेहेबाजागजी। ५। उथलो। । मायारूपामजबरथीय
लि। जोमजिवविछोयुंमिरघि। अज्ञानमेंचांणेछेइनेउपो। तेणेनरनेस्वनिरथी। ६। तेतकफनेंपंथेणे। वलिहलासुरउपरनपें।
संसारूपीनोमतांते। नीरनिरअरुमिसजपें। ७। कालसेंचांणेउपरजमे। तेहनेमोहष्टेफें। वीरविलेएवबहजे। फालजरेनेफलफलें
। ८। नयणेनिरदेषेछि। कलकलेकालजबलें। एटलगेएसुवनें। जमएकेतिमहकेविजळे। ९। कामधेनुनापयविषें। जोकोइमुकेतेहनो
तोदें। आपछनटलेतेहनो। आइवोवारीवारहुंजेहनें। ९। वैराग्यवणेउपनोसरीरें। तेहणेकालजकोसुमादेषि। बहिसणोतापूतपेठ
नमां। तेनसजीवकोयथि। ७। नाहलाविहलानहलेजुनाजेहनेहीगनविगमें। संसारूपीसुषनागी। उठीथानमनमें। ८। निरवेद
पजेरनरविषें। तेजावपणेजीवेंनहि। तेमराजीवेमनवलेजीमकिटनमरीहेइसहि। ९। जीमरवायरहेछीकाष्टने। तेपुरुषकाकारथइ
परषरें। ८। तीमवृध्दवैराग्यपजेहनेनषें। तेनरहरीयाइसरे। १०। कहेअखोसक्कोसुणो। निवेदटालेजतनें। जेनरनेउपजेचिनातेसवे
हरीगुरुसंतनें। ११। कडबो। २। वेरुवैराग्यपजेहुंमनतपें। रुकमांहेतेनरहरीजपें। सद्गुसचणेसोपोहीअरपें। परीब्रह्मरहेतपा
तेखपें। १। उथलो। । परीब्रह्मरहेपोतेखपें। तेहनोनेएकरूतेसीनलो। तेहनोनेएकरूतेयानलो। तेक्वनमानेगुरुतणुं। अनेमावलकुंछो
अतियणो। २। गुरुकहेरांमरमेसकलो। सर्वविमस्वामिनरूपो। एहवुंमानलतांमारुवचनमांनुं। अनेनक्रिडपरआदरो। ३। तेहरीरु
रिहेषेसर्कलो। जेहनेनविछोवदरवतो। हरीजाणीहितकरेसकलो। पेजेउतवेपती। ४। हरीजाणेथकेनमिच्याइं। तेहनेनक्रिजाणेपरी
अणजाणेजेआदरेतेहनेहोथायपाछोफरी। ५। एसद्गुरुनावचनसुणी। नेनरकीजेहनेउपजे। अहिरकालमांपोमेआतमा। सद्गुरुव
चनेजेनजे। ६। जाइनक्रितेविषेणि। तेहनेनतीनवैराग्यबेपांषछे। चिघकासमांतेजउठे। जेहनेसद्गुरुरूपणिआरत्यछे। ७। देषनेत्रस

अखयगी वपरब्रम्हनो परब्रम्हनो किरण मात्रापा दृपाल परब्रह्मना परब्रह्म ता ने पात्र। तजले परब्रम्ह थले परब्रह्म। स्वर्ग मृत्यु पाताल गी
ता पा ३ रागु रुचनो वहु बाइको। परब्रम्ह जाल्यु नमात्रा। परब्रम्ह विनानहि गमगाल्यो एम हरिवर नरसिंह। माहा निधि दुखेहरी। नाइपम
उपम्या जेहनो हर।१०। कहे अखो सहु को सुणो। न लिजे वा वितजतने। एवा सुद्ध सजन नेपामवा। तमेले वो हरी गुरु मतने।
करुबा।१०। वलि२ कहुं न लिवी से पजो। ते नदृढ खेहरी वी ना रखजो। पेषे स घेला हरी ना वेखजो। तेनस्पर्शनो तकरुवे पजो।
११ उवे षेनहि कोयठे। एतो आतमा विलसी रह्यो। जेहने नागवतगायगीता। उपनिषद जेके पो। रानक्त तेजइ मजाणो। जाणी
ने हृदे दृढ्या धरी। स्वामी माहरो रह्यो सघले। अहनि मचेतन इमकरो। ३। नूवन नल्पमा रह्यो हरी। हरण स्वे पर मात मा। पो तेनो पा
उजी नी रंतरा पीणे हृदे हृदे हुं न्हातु मा। ४। माहरो रो मरम बेलव वी खें। इम रते हे सेमन। हरी कहे हरी मा नलि। हरी ने ते सुं हृदे नद
।५। नाइ नी तरा सनारायण केरो। दृषे अनंत अपार जी हो जु वो तिहो ते हवो। नारायण नर नारि रु। गद गद कंठ गाते थके। रो मांचि
त हो इं गात्र। हर्षे आयु हे तहृदये तो प्रेम के रुंपात्र७। नवनित मरी हृदय को मल। कच कजा इं तेहा ते नो आष्य मा अमृत न स्फो रु
रा प्रेम के रुं खेचे। ८। बातो पी तो बोलतो। हरि वे ते मघले रीमा वे शुं मनर हे तहुं। रीथ ले यं मारी को मा।९। जी मजा रखु बधी युवति। ते
हुं मनर हे जा रनि पामा। अहो निश्चल हे आजो चति। नाइ ए वुं मनहरी हा।१०। कहे अखो सहु को युणो। हरी लहका गोचे तने
मनन ते हुं माहा बनुं। जे मे वे हरी गुरु मंत ने।११। कमबा।१२। उठे उजा जो हरु जिम चंद्रमा। कीरणते नो पम स्यावन विधी मंत्र क्रमो।
तप सर यो आतमा ना सो किट इं द्रमा। एहवुं ब्रह्म रुद्रया कंद्रमा।१। उथलो। ते हरेगुरु मा रोम प्रगट्यो। ते लो पाल टो मन नो थयो
माया नो वांमे बुल ना सो। यें मा नो मंत्र वगयो। जा पर वि ते जे उगले। पा लो ते पाणी थइ रहि। ति ज्ञ ने प्रगटे आतमा। ते माया दोष
मे टहरे।३। नाइ माया दुवलति हीलगे। जा त आतमा जो ए ओढहि। जम गत जो वत्थ इ युवति ति ज्ञ वल्यो वा धी रहि। ४ उठे मगो स्यमा
रुथु अजो काढ़ु। तेजी मत क्रथ्यु दहि। आतमा जाणे एम माया वी धारे दी मनहि।५। एक मगे रुते ति चलगे। जा रो युद्ध विभा रुथी
ठेप नो। नवनित ति हीलगणे विणसु। ज्ञानने न जाणे तुम नो। ६। ना वु मोषणधृत थयु। पछे विण मल हि क्यमें। ति म आतमा जाणे
नो इपरात्म वा आणे जाणे माया दम ई।७। अंधा रुहरखद्या घणुं। अक विना जी मचक्षुनो। ति म आतमा रुहगे हे नपलाइ। ते माया दमेन

दिष्टरुषनं।८। जीमनिद्रा वानमेसज्ञ होइ। तेनो गनानो गवें। दिशा कालेमर्म साधुं। ये हेनमाया लागुबें।९। जागो नीथइ चेतना। निद्रा माथेस्व
पलु। नीमचुरायावरुं तिमीरत्रा मे। चिनत्वमकहुं तटले।१०। कहे अखो सहु को सुणो। जेमहरीइ नरसिंह मेतने। माहा धनरुं रुपा मवाते। से
वोहरी गुरुमंत ने।११। कमबा।१२। गुरुरुपा मोते नरमाया नुं जाल वा मो। कूवजी मया रूपर मेजे बाहु ना। ते आपटली नेथाईं लो नुं। तमसद्गु
रुपा रसवरुं नरनी पना। कारणमां ब्रह्म जे एगुरुनुं। गुरु०१। राष्टरुपी वं तो लबवा मना। तमारुप्माथ काजी वन रमें। राजसतामसतणिरजु
पडी नेत्रमां। तेथी तद्गुरु रहते हुर विरमें। गुरु०२। आपविना उद्योत कि एनकरे। जो इसअजातलो मांरही गो। सद्गुरु कलातनावेंक स्वावि
षामुख विनास्वाद कहे खारामें। वो गुरु०३। जाणे कोतन आपर लिरमेमेसुं। परसुंप्रबिजेवा तगुरु नि। जेजिमबेनतो मलहे अरवा
जोपर नाजिकाप्रीत्वं धरनि। गुरु०४। इहो चालनि। जे नरसमआतिणेसाइमवर्क। आपविवेंयो आपोईगयुं। बुद्ध अनामां आपाछे
दक। मर्म समज्या थी आपोदेखयु।१। उथलो। थयुंजे मतमरुतु आगे। जाणणरो जाणी यो। जेउंकारनि आद्यरुतो। जेवेदराणे
वखाणियो।२। क्यारे रहेध्यन आता। क्यारे ध्येयरहे ध्याताटले। त्रटस्थउपनुं नानेएहने। एमस्फुरत्यचालेवलि।३। क्यारे ईडा नारी
मवरते। क्यारे वृतवोहणी सुरमबे तटस्थ केरुं रुजलक्षणा। ज्ञानकेरा हुरत्व बे।४। जीवनमुक्ता तेहउकादावइं। जेहने ए दृढ तिउप
नि। आका सवृततरुरुघा। क्यारे अस्थितितेसरुपनि।५। जिममाछलमांहेनामगरमोटो। तेअबुमा रुहे आयोरहे। उवो आ
विअलपवरतो वलिमाछलि धेजोरहे।६। जीवनमुक्तनेयोगेश्वर जेइमवरतेहे दविषे। जीमनागनेअंगईजरायो किति अलगीथइ
रहि नरवसि खेयु। तचलणरुलणकरे पंरी। पणअंगथी एकलाटलि। तिमजे वनमुक्तनदृढ जोणा। जिमनुजंगनेकंचु कि।७। उपनु
तेजसहजमांहे। अनाआपेअंगथी। जारविरमेथयो वेगळो। त्यारजीनरी वीनुजंगथी।८। एमजिवनमुक्तने। नाइजाणजाहद
संगविनुहेनश्रीमरघि। जीमदृष्टे तफळेंग।९। कहे अखो सहु को सुणो। इमजाणोजीवनमुक्तनें। एहवाने पांमवाने थ्ये वोहरी
गुरुमंतने।११। कमबा।१२। वळी कहुंमावा मनमुजाणजो। जेहने जे तरेउथ्यो मोणजो। हरहरीवा लुंजेदुनिवीणजि। जेघडे
थकीवस्तुनिरवीणजि।१। उथलो। रवाण्डुघडि वस्तुकेरी। तेने चुन्पनामथ्यलि टलि। अंतरमांहेलो आपेमोटो। तेणेवस्तु
मांहिरह्योमलि।२। जीमअगीमांहेलो दृष्टे। तेलो जनांवह्नी आवियो। त्यारेशीरसीवथ्यबुसरवें। जारेरयाव मांजिवस्तुमा
वियो।३। एमछते अणजाणथइरहे। कोयक विरलाथंतते नें। आपापर विनाछिछअंतरगो। तेमावु नावमहंतनें।४। जोनि

कन्नावनाटलीतननि। नासुंविद्द्याकायरोधनयोपेजिनजीमा तेहनेजिरमधेअवकाश।५।नेत्रउघाडेनगतकरेभरतेसासोस्वाय
तेहनेनिरफीठिनरूधयुजेआपेरहेघासा६।हिंसापरवृतविषेमुखकचालेमधेरखणावाहोणीखवीएथाई।एहविउलता
निसीध्या७।इंद्रीमोचयाकासतेरुनेमारुकलामुषकंविषेतमचूतिकलावनातानदिजेअलेएजेगे।आलालरवेठालेंगा
तिणेरवाघणा।पणअलेगीलेइकिसुं।एमहेजकरीयाधनाजिसमजेतेदेषइसुं।८।तत्वज्ञानितत्वमादेदेषेरुवस्तमाल
जीमअरूपमांहेथारूपबंधाईपाबोअरूपथाईवराय।९।कहेअखोस्वरूपकोहुणो।एविअकलकलामहेनेनो।एपहनेपी
मवाइबोतमेजेवोहरीसुरुमतनें।१०।कलबा१४। वलीकहेजिवनमुक्तहसायजी।निश्चेजेहनोपरवतनायेजी।जीएंआवी
बुस्कमहीमावजि।तेचूनवतापाछानविथायेजि।११।अनुभवजेमोटातणो।आपापरहिजेविषेआपगलियुंआपमाहेंधा
तितरायुषेरानूरुनेकलाश्रीबीनव्यपहुं।मतीतेअगमअगाध्यावारधीकेरावास्पजिमतोनहितरवाध्या३।जोयुतपनिधा
घनो।तोहेनउलहोथाय।तत्वदर्शीरुषनि।नाइघषनजोगेकाद्या४।जीमवायुवहेबहुगधनो।उतमसध्यमअपार।पणरुअ
मगीतेथकी।यप्ररुनहिलगारापनतत्वदर्शीरुषनेइमजाणेहरुआव।वहेपणवलगेनहिजेजाणेयेहजस्वलाव।६।जीमवि
धिचजालनारंगमुकिईस्फाटकमणीनेपास्पतेरुलालप्ररषोलावहेषाहे।पणआपेरहेउहाला७।जिमचस्मोनाफलविषे
रोधनपीमूहहा।तेजअधीकोपोखेआप्तनें।तीमअणलेगीउतरुहा८।तिमअनुभवीहरुषनें।नाइआपोईअंतरनथी।
अमरुआरुएहनो।नागीउरआउरथी।९।जेगीनेयोधांतपोषा।चेमेंपावनकरईउपदेशआत्मविद्या।रुदजेयहतउथर
१०।करेअषाढ्यनेविषें।मानननेईमादेतनेंएउतरुहाशानेपामवोउइबातो।मेवोहरीयुकलनें।११।कलबा१५। वलीक
हतत्वदर्शीहरुषहुनो।केहजस्वलावेजरुवोकयहजजी।जेरुनेअईतागयोआत्मपजी।कल्पांतकालेयहालनमुखजी।१२।उष्ण
लो। यनुभवहरुकल्पांतकालेमारामरुषमोठीहपा।जेअन्यदरुनिपरजाणेजआपेपांतवस्पा।२। पीतानोहरुआद्यहइछ
मीथ्याहेषेसवेनो वंतस्तीयघलेयरांडीकुणधरेहरुगवनईं।३। कीटपतंगब्रह्मालगे।मुरणहेषेआतमा।दृष्टांतत्वउपनो
जोनहरुनोचुलानपरुआतमा।४।जनुमअंधजीमरुपनोहेषनहिनिधरि।अध्यासनदानेनेहरुआथ।सुणेशहरुणकारय
तिमसतातानेपईमनलाई।नोहेतोपरनेआपोहरुहांतीसांजहोई।तेहनेतोहस्पनेपापेरु।जीमअंजनविद्याहोईजेहनो।सो

त्योहेषधनो।विद्याविनाघरमांहेमावकांनविजाणेकोजनो।७।धनहरीजीमधनहेषें।पणमधनहेषहुंमि।आवणहेपणआप्यनकरे।
तेहनेमावनिरंतरव्योमा।जेतिमजीवकलावेमारुहरुषनें।अणलेगीअत्याग।स्थुलतोंसरीरहहानि।सहनेंथयासमाध।६।हेय
धासहदोषसहघला।हेतहेतुनेंसंसार।हेतहेतुअवबंधोपापपुन्यअवतार।१०।कहेअखोयकुकोणो।कलामोटिमाहेंतनो।
जेनेमनआवाधाकरमनाय।सेवोहरीयुकर्यतनें।११।कलबा१६। रागकनको।मोहहुंचलावेएहथी। ।अकलकलाखेलेनर
एांनि।टेक। जेमहीवनावहरिफरेहरीसें।क्रुवतारापररहतनिमानी। चलनहलनअवनीपरवाको।मनकिसुरत्याकाय
खेलांनी।१।अक।२। तत्वमाजल्यांहुंस्वतंतरा जेलेहीहीमहोतहपांनि।२।अक।२। अबुटिआद्यअंतनहिपाया।जाहनुयहु
नजांमनवोनि।तायरुस्थीतमहहुंजाकि।कहीनजाईमोअकथकहांनि।३।अक।३। अजबखेलअद्भुतअनोपम।जाकुहेपहु
वोनहरांनी।गगनहिगेबऱ्यानरबोलत।एहीअखाजांनेकोइएांनि।४।अक।४। हरीघालतनि। ।बस्तुनेवाणीबोलिनअसके
मनकेरीसुरतासांहजातेथकें।सहगुरुकेरेजोलखआवेतकें।तेनरस्वेहरीयाईतिणीपलकें।५।उथलो। ।हरीयाईतेहतमअज्ञे।
हेतातनतेआतमा।परातपरपरीब्रह्मकेवल।तेनआवेवातमां।२। अमलआतमाएकसरणा।अरवंहितअविनाशा।अजरअमर
अनांमअवय।सरणज्योतिप्रकाशा।३।तेहनेआद्यअंतनमध्यनहिनहितनहोकाल। छायामायावहवजित।मायारहितविसाल
४। अधोउहनेमध्यनहि।रहितेशविदेहिनरात्मा।बालजोवनहधनहि।नाइतेवकेअवजात।५।तेवाक्यवायुवमुधावहे।नहिअन
जनआकाश्य।सवमांहेनेसववेजीत।नहीउत्पतिनेनाशहु।मातवहीनवहैवपनगा।नागनहीनरनास्य।सवकेरुजिवनमहा।एए
स्थानहिलगारा।७।तत्वमीतत्वमुचगर्युहरा।कहेनजाईहेहुमुखमापूनोथापृथाईनस्पहीनहिअंहारा।सारसरसमधकरमोलो
निरुणमीस्तनकहेवाय।दीघलघुकेवोनहरुणा।सवबजीतनेअवसोहे।९।तिलपीलनेस्योमउज्वलारहीतअवस्थाच्यार।तुरनिकर
नेमूलबहुरुंथाईनहिनिरधार।१०।कहेअखोयकुकोणो।तेहनोलखमोटोमोहेतनो।एभवाअवस्कनेंतेरुपांमि।जेहसेवेहरीगु
स्मंतनें।११।कलबा१७। जेत्रणुवाणीईकसोनजायजी।अगमअगोचरजेनेवेदगायजी।पांमणहारापांमेविलायजि।एअटपटाआ
खेसेइजमझायजी।१।उथलो। । सहजमासाधनसलागे।अणलेगीअकुलवधरो।बेज्यासुतजीमसुषकरांहे।अबेमोरयूपावो

नरो।२। मुख विकारकरणं नकरवो। एकचित्तेब्रह्मध्यान। श्रवणविनातेशास्त्रसुणवो। नेत्रविकारणंध्यान।३। बस्तुगतसमेवकहिए। अनेकी
भिन्नभिन्नरूप। ग्राहयग्राहकभावनहि। एकचित्तेधोमअनुप।४। जेहनेवर्णवेषनेरूपमुद्रा। तेहतणासवत्यागे। ब्रह्मायामायानहिजेहनेई। तेहनो
जाणेअवछेदा५ स्थानमानजेहनेनहि। अकलरूपअपारतेहविषेआयवसेचा। आपेजाणएसारा६। बीजोमांहेतेनविआवेतेहतणी
अवधाप्त। नेतिनेतिकरनेजेरखुंतेहनेजाणेअवजाण।७। कुरस्यआत्मा ब्रह्मकेवल तेहनोअवपसार। जेहनेविषेषणएकनलागे
तेविलसीरह्योसंसार।८। जेकेएवाकेएवाइनहि। राष्टातिनयहाय। अनिरवचनिवचन। बोलेंजेनावेंवाणीमांहि। ए। श्रीगुणहारविना
घिबवुं। पारथवोरेणीप्रीछ। आपेआपदुंजेनिरीक्षणा इछावाएिजेइह।१०। कहेअखाएवीणीवर्जित। निजस्फुरणछमाहितनं। एकमु
स्तानेणछहि। जिएमेमाहरीगुरुरूंतने।११। कहेबाइ। वस्तुकेरूंसारहवस्तुजाणेजी। सुजाणीनेहतउरआणेंजि। अहेतनुंहेतकरु
कोइयंथीणेंजि। आपकेसेरूपतेआपवखाणेंजि।१२। उथलो। वसांणेतेवस्तुकरीनें। आपईकरेंआपेंसुणें। जिमगारुडीमोसुरविषे।
स्वरमंत्रेनेनाषानणें।२। पेरुमाहेंतेजीवकिछथी। अनेजीवनेकायापेरु। एचलणस्वलणविरूपतारुं। आपमांहेथीमेंमा।३।
उंतेरूंनेरूंजनुं। अेयधातानुरीम। उंबुंविचारीआपनिरषें। आपेंआपनांकोम।४। ब्रोकेबलमत्वमातम्यो। दीयेइश्वरमायाजी
व। एत्रणेंकारेथयुतहत। पणस्वलावेतमसिव।५। एत्रणबतीअजातमारी। अेंगेकुलअरषी अरूी। तेमअपरीद्यथीमतीरूं।
तारेइश्वरथेनेविलसी। इजीमकावनुंमेंदूरस्यु। नीलपतिसुल्लस्यांमुनुं। तेउपरनपीयोयुयस्यांहुरें। मारेविबीचरूपथ्युंधोम्
नुं।७। इश्वरनाएश्वयविषे। अनेकजीवउपजेअवपई। चेतनचालुंआवंतमार्गे। तिमतिमायापरवरीटा। केवलसुरतपेयहा। मायाते
मेंहिरकावे। इश्वरनांमनोतेहुंजी। एजीवथइमनुंष्याचा।८। अधीशनतेतमोगुतस्वामी। तेणेएचालुंजाय। तिहांअणबनोजीव
हूंकेंकरें। पणन्हेहनश्रीब्रह्मार्ये।९। कहेअखोतमनाथहितुंणे। सगुणथयावेषजेहनें। एकलातमारीश्रीवरानें। सेवाहरिगुरुरूंत
नें।११ कहबाइ। एमएनाटिकचालुंजाईजि। जेहनास्वोमीतम्योअनुरायजि। केवलइश्वरस्योठिकेकायजी। अणबतोउत्तमधरुं
वथायजी।१। उथलो। अणबतोथेथयजी वउलो। तेजाईहरीनेजोणवानरनेउबायोकेमकलें। तेहीमेबुधरमाएंआपेवा२
जीमल्योतिमनातिमअनुलि। कायामायास्वेआपा। बिबिंप्रतिबिंबथायहपलेई। तिमतमाराव्याप।३। केवलपदतमानिजरूपे। इश्वर

पदतेअनंत। मोहोटुसांमथर्यमायाकेरूं। तिहांउपजेमोथ्याजंत।४। तेजंतनेबहुकांमना। वसनमावेजीव। देहाध्यासतेहनेअतिघणी। जो
ए आयुवाधेयइईयो।५। तेपेरुनेबहुपरभवो। करेतेकर्मकलेसा। घिरनजोनाथावारुंहें। मोहुंमनछहरइ। चुतनविघनेंबाल
लेइबा। अतिघणेंमनकोर्मे। इसघावानोआत्यमोहोटो। साधेपेरुमनमुद्रा७। सिध्यनेकाजेतकरे। अतिघणोतपाय। तेएअहंत
वाघअतिघणो। तिणेजीवजाफिरोथाईत्ं। मायाथाअेमनवहें। जाणेए परमातमंपइ। ममतातणातेहनेपरुलचढे। होमरवाधमहुरं
एवाप्रकारअजातणो। साधतेजीवअपार। नाद्यकमांहोरनाचनावें। अेहरायेंसंसार।१०। कहेअरवोपहुलगें। पोचनहोईजेहनें
एमअनुलगेतेहपमेंजेमेवहरीगुरुसंतनो।१२ कहबाइ०। राग नेरव केदारो। प्रभुसेमरुरमनुआमेरा। तोमयमारुहोईजबतेरा। मनजगतकिधारणहारा। मनमुवेमोयाथंसारा। मुमणे। चउदलोकसुंसाहिमनकीता। मनपावेबंधनरूं। मनमुवेतेस्वबरा
मा इहलोकपरलोककिन्नागकामा। ममणेरा। मनमुवेतरहजोमनुंवा। सोहरीरूपजाणीजजुंवा। कहेतअखारप्योनहिनाकि
जुबहुकमूलबुझीघरवकि। ममणे। हसोचमति। वलीकलेहरणपद्मश्रीमायजी। कोटब्रह्मानवीजोरचायजी। पणअधीकुं
उबुकाईनविंधायजी। जोताजोतोतेवीलजायजी।१। उथलो। विलजातावीणेंसे नुहिनवाधानोमविवध। प्रायेवस्तुअरू
पअणलगे। हेतविनाकारणनिधे।२। हेतविणुंकारणतणुं। कहुदृष्टंतविधिकरी। आकायविषेजीमच्छनाना।
थाईजायपाछाफरी।३। नितपीतनस्यामउज्वलरक्तमांसअनंत। विधीचपरविलसेवलि। तिहांजआवेजंत।४। पलवाम
तिमनातिमथाईजातेतमनोतेम। वारकघरकनहिअन्नतें। वस्तुजाणविएमा५। अरूपकेरूंरूंपबंधाई। पाबुरूपअरूपथइ
जाई उपनाबितेहनोनामपाकापणथयुंसांहुंप्राई। इएवीव्यारीजोतेयकेजेहवोएघलसारा रूपबंधाईरेमेरमाहे। पणक्षण
क्षणएंगाकार।७। जगतनाकारणघणा। पणथयापबेधरनामा। कहेपंचभूततनोहुतजीएब्रह्मकेरांकामा। पणविरंचिआद्योवि
स्वरूपघटि। घरनाकेरुनोघाट। एविमारेबुधबुझे। भूतनिरालोनाट।९। जेजेतेतरूएजढें। बीजोविचारमनुंनाघम्यो। निर्यताकुंए
कहुंकेतृणो। जोचनपहाअनेजम्यो।१०। कहेअरवोएकलोमोहोटि। तोजउपजेजेतेरूपअरूपीआपथुं। कलामोहोटीमरुंतने
११। कहबाइ२। अनुरुवमाहोयामोहटाजाणेजी। बुझतेथापरीथयुंपरमाणेजी। दिठुंकरुंसकवखाणेजी। अचखुकोइकठ

रमांमांऐजी।१। उघलो। ।चर्चुंतथीतेहनिंधरीत्रयांनां।एतो अन्यायेबे अणबता। अणलेंगीएअर्थसबकें।कहेंहष्टांतजेपोत
वता२। अधिष्ठानठेकृष्णमादिंचेतनतातांअधियणी। अरुफलासेरूपथरांसं।तांहाअहंकृतउठेंआफणि। इतेअहंकृतथाईअनेकरू
पें।तेणेंद्वियइनेपागरें।तेहनोलक्षनरनेकहें। कोधीमंतहृदयधरे।४। जोदृष्टांतआवेबुधीमां। तांसीधांतनेसमझेंहि।जोदृष्टांत
समझीनवियकें।तेहनेजकलहोईनहिंप५। जिमहृष्पणमुकिईकारुमयांहमां। तेप्रतिबेबएकएकमां। तेआनांअनअनंतथाई
।जोदृष्टपोहचेजेबेकमां। इं।तेहरपणहृपेणमांएरचना। हो।यप्रगटप्रमाणेएकएकमांअलगांअलगां। बेंइतारावहकांणा।७
अनंतनांजेयाहमयांहमां।एकनाउदरमांएक।यीधांतनेतमांएमजाणो। कहेंवस्तुविवेकें। दोसुकरनिर्मलअतिघणोंपर।
ब्रह्मस्थानिकतेहु।तिहांअजांआंछिअणबनि।आवीनांखीएहु।ते अजामध्येउपाध्यबांहलो। तेजांणेअहंकृत्या।जमसु
करमांहुअनेहीसं।रूपनिर्मइत।१०। कहेअखोसूहकोसुणो। संसरतानलाजेंतनें। एगीतांहुंतारहयोबांतो। यबोपर
गुरुमतनांश११। कमबांर२। ।वस्तिकहंअरणपहनिबोलजि।जांहंकल्पोहवेवींएपजी।जांहानहोइउत्पतिस्थीतिनहुंएपजी।
सत्यरूपनीहांबेजांएपजी।उघलो। यस्वरूपनीजांएपरुविजांहांजांणएहरोस्वरूपो। अणछंडतेबुंथाई। अनेबुं
ब्रह्मअनीहहो२। सिद्धांतनुंयीधांतएहजो।मरुअनुंकविनास्थांतिजी।हां।आकासथांआथेरूंजेपहजेकहेंनजाईपहुंइहीं।
३।वेनावीनावजाविना।मरणपहनिवांणो।तेहनेयाहुग्राहकसावनहि।जांणवोएणीजांएं।४। तेहनेउपमादीजेकीसो।जोतवस्व
वकोय।जेकहितेअणबुंनाइतेनांतेहनेहोय।पा।दृष्टांतजेउपमादीजें।तेतासवरहेअरुकुंकरबुध्यबापजी।जोचासांथो
दहाकरतांपहुं।६।जीमआकासमांडेठेंबिएगमा।एकएकघोआथोवटें। तेवत्तदेषांहेबहुप्रकारें।पणनारेयामथतेघटें
।७।अगमअगाधअंबरतिमवस्तुअनंतअपारतेहनेअसरखोकहेकविजनाकेहुंतेबुधलो।अहुंयारदजीममुक्त
नीगतिहृतकजांणेजेजिनजीवतघटहयें। तिमज्ञातानागत्यग्राताजांणेजेअंतरमांपंचोवलें। कोइसोनेयमझेंहतबुध्या।क
रयाहिनथीआउवापोतेंहुंकारोदपोतानें।तोजाईकेहुंनेफालावा।११। कहेअखोएहकोसुणो।एअकलंकलासांहुंतनइं
मराजावानोमलेबा।येवोहरीगुरुमुंहतनें।१२। कमबांर२। ।हवेंकहुंएक अक्षरवखारजी। विणकरमेंहोईएंथनोपारजी

जीज्ञानविलागेशष्टुवारजी।एजांणवोबोलणहारजी।२ उघलो। बोलणहारानेबोलई। तेजांणसोजुगतेकरी।एमयम
जेथीहोतथाई।जाजुवेजीनपाबोफीरी।३। तेपरापास्यथोशष्टउठें। तेजुकेजाकोथाई। तेपांसबेपरमानमां। तेसचेतनघनराय
३। तेमनहारामाहानमथरां।तेमनउठेकल्पना। तेकल्पनामांकामनाबें। तेकरंबहुजलपना।४। परातिहत्थयुंहोइपोखणा।नाशष्टरूपपरा
करांपसंनिईतथाइपोषेछो। अरुपजुंतोरूपथरां।५मथमाईथांटघडाईं तेवेषरी।घिविषरी।संस्तवादेशष्टकेरी। अनंतप्र
कारेजथरां। ६। अक्षरबावनअनंतरूपोवेदहरीणस्मृतिलखें। मंत्रयंत्रनेविद्याअविद्या।कायनरोईवाणिपषो।७। षटदरशनानामंत
नाना।एमवांणीमनतणी।पसुपंखीनरनागसुरलोगईं।तेहसवएहनाधणा।८। परातपरतेपररूपं। एरांमतवाणिमनतणी।मुध
मानीधीधुजिवन। अणरूंतोथयोधणी।९। मोहेहुसांमथमोहाप्रभुं। वणचलायुवलेवलें। सुयघरेअवकोमबाजें। पणकिरणी
कमांनमलें।१०। कहेअखोएमममोहेटो। एममझोअनंतनें। इमसमझ्याथीमरुजथइईं। सेवोहरीगुरुसंतनिं। श्रीकृ
बी२४। ।रागदेसाषकेदारो। ।ममममोहटोपरीब्रह्मनोरसनाईनावे। शष्टवेधीसुरतांषरांतेहनेलक्षआवे।१। ममम। तेणे
स्थलकेहवानथी। तेणेस्थलस्वामी। थांतारस्वेषजे। तेणेवस्तुपांमी।२। ममम२। शष्टरीनांकोईयहा। वेताविनावेदुं। जाणेको
अंतरजीधीकला। आकासवचेंदुं।३ ममम३। गुरुसोष्यविनानांमंगनां। सुधोयीषघीढो। सहजुरूपेंनइढो।४
ममम४। जोवाचाबोलेअवाच्यनईं। तेवाचाहहोईं। ममंवेहजांणेआपथा। जोगुरुगमहोईं।५ ममम५। दहोधालतिं। एवकहुंमोहो
टोपरीब्रह्मनेहजि। जेणेंकरांहतनांहोईउछेहजो। जेहनेकहेंअगमअगोचरवेहजी। तेपहजांणेसर्ववेहजी।१। उघलो। ।मयवेहते
पदमदा।आपेंकरुनेआपनईं। जेमधुनोहोईअमीआविनकां।धरेजीषांतजुतापने।२। तेहनेजोसज्वाला।अतिघणीहीसेनेजाजुल
मानाफटकिनेथयोफरफरो। तेणेकाढेंरूपतिहांन।३। परीब्रह्मवहीएमजाणो। घटघटरोयमाइजामलेकाष्टपाषाणमाहें। तेहनु
यांथेथोजाईं।४। कहीधुधुतोधुखेंचमो। तेथुमवाहिनावाहधूम्मरचमो। अतिथुंषलो। तेचालोजाईंअनाद्या।५ तेकाष्टनोहोईं
यणनोहोईं। पणकरेतेघारचंधार। हारनाहलथोटलो। पणझलवानफिटकार। ६। समथुंनवाहीतसंसाषरी। पणआतमंन
हउद्योत। कथेपणतेहनोकेहानटलें जिएवीचात्रोमणनोजोत्या। ७। जीमचित्रोहीपहीआवालागें। पणचक्षुआवेंहविद्याईं। तिम

सुन्यवादि सर्वत्र सुन्य कहें। पण सुन्य मुक्ति मानग्रो वाईट तेत्र पंचने मोक्ष्या कहे। परमात्मा ने कर्त्ता नथि। कर्म धर्म तेतन व्य माने। कहे जे कछु उप
जेसु ग्रष्टि। ए। करे सुन्य पजे सुन्य मय माई। सुन्य विषे सुन्य चित्त करें। सुन्य मे ग्रासे बंते हलो। करे मुउफेरा न विश्व वतरे। १०। कहे ग्रखाए
सुन्य वादी। नर्पा मे मुक्ति तुने। प्रभु पर मात्मा थकी जुदो बीजे जेये वेरी गुरु यें न कई। ११ कलबो २५। एवे कहे ग्रधर्म ने सुन्य वादी जी। जेरु
देखुं न नी सुधर्म ना धीजी। तेणे मी ग्रा बुध जे ग्राधीजी। परपंच नट मोने नंद्या वाधीजी। १। तेत्र पंच नुं मीथ्या कहे। पण इहे जगत सच्चु
गहि। ग्रधर्म ना मने माटे एहुं जे सुन्य वादी सरा न हि। २। कने व्यान वर्तु खरे। जुत्म न जेने मध्य म जे। देखा ग्रा किते र देखता। सुष इष
पामे तेय विजे। ३। जगत रनो जहा सुकहें। ते ही ग्रपो ना मां गर्व वधे। ग्रज्ञान ने हने तो न माने ई थी ग्रा युष ने धरे। ४। का हारे कहे ग्रा हु
मा। का हारे कहे एयुन पढे। का हारे कहे जगत सार्थ। का हारे कहे ग्रा हि मुनढे। ५। वादे करे तेय हु जग ग्राथे। हिंदु पण ऊंडा ने विलहे।
ब्रह्म विद्या ना जे हु न जाणे। वेद विटंबने हने कहे। ६। तो स्म करु नारायण ने स्मरे। परपंच नट मन थी। ये सार ना सुष ग्रा हि वलन्ज। मे
नग्यु पा पुन्य थि। ७। न मन हि माहा सुष ने। हो खट पे ग्रणबता। ग्रज्ञान ने हने तो न माने ई। प्रति बोध पा ते ऊंता। ८। ग्राचार्य छंद
ने च्यन्य ने। वोल करे ते ना स्म ति नि। जाव ज्जु सा न हि करुं नो। जुगत यम के ग्रात्म नी। ९। ग्रधर्म सुन्य वादी ना एज लक्षण ते सुन्य वा
दी ए ग्रा न हि। खरा सुन्य वादि ते हु ज काढावे। जे वस्तु विश्व वर्तु न कर्त्य हि। १०। कहे ग्रखाय हु को सुणो। एम यम के सुख वहु जैने
सम ग्रा सम के णते जे यम के जे ये वे री गुरु यें न कई। ११ कलबीर हं। एवे कहे च्या धो च्यर्तु न वर्ते हुजी। जे जे यम ग्रा घरु षवी हे
हुजी। को इक यम के मम ता ए हुजी। जे जे नि स्त्या सुन्य ने बहु जी। १। उथलो। । सुन्य मध्ये वाट जे हुनी। परमात्म ते पदार्था। च्यागम
ग्रगाध मत मा हा मनोहर। जा णान मले ऐतनी ग्रापहार। २। तेहने जे मत जन हि तो सुन्य सुकहे। गुण हो षने के हा गणे। परमात्म ग्रा वु
प्रीछ मांहे। तो ग्रापवि ना ग्रम सुं न णे। ३। जि म रतांबर ने रात न मले। नहीं वस्त्र पर वे ग्रा वहे। एनो का ल मा पे नु तल वा जी। पण को
रणी ने कोय न म ग्रा वहे। ४। ए ते वी ग्रदृष्टी मीथ्या कहे छे। ग्रात्म ज्ञा णी ने जगत मी। नी का ल ने हने न थि जन हो। ५। ते ले पर वा धि मुग
तहि। ५। जो ग्रणले गा ने ग्रापन मले। तो मा पर वे केम णे। ग्रचम्बु ग्रापते ग्रना दा वजिते। एवो ले हच्या थी घणो। ६। सुन्य वाद
ने त्या रे हे पे। पण हु तवता मांने हुंडुं। ग्रधर्म ने हच्या थी न वोले। जे हु न सम जे कारणे हे हुंडुं। ७। जीम का ष्ठ मध्ये ने उथलो। ष्ठ ग्रम ग्र

गटे मां के थी। पछे प्रगटे धुम ने हु नो। मुल ग्र गीने हा थी। हा उ हा ते हुज ग्र गी जां णो। पण च्या थी च्या हार ज ले लो। ग्र म ज गत ज ग्र ग्रां
हु त हिं। पण च्या त्मा ग्र ण जा ण्यो रघो। २। सुन्य वादीने ए म जां णो। ए स्तु धी ते हु नी ग्र ष्ट छे। पण परम ग्रद्य ने पो ग्र न हो ई जे ने मन्ष्टि छे
। ३। करु ग्रधो ए ल क्ष फाले। ते हु जपी मे ग्रौ न ने। परा पंच पा स्त ने रखो बो ले। कुला मो हो टी मा हात्म्यं न नी। ११। कलबो २७। बा ति वि हि त णो
कहे वें न जी। नी ग्रंन पो हो चे बो णी ने म न जि। जे स्थल म मले रय णी ने हीन नी। जे वेला ते ठम मय न न जि। १। उथलो। । ते न मय त न न म द्या ए
लं। ते कहुं दृष्टांते करी। जी म ना स्कर मा सो नाय कां के। पण सां हो ना हा जो ते फरी। २। ने बार मां हे थी बा चुजो गे। की यतो हसतो घणो
पण ते णी त मनो ने म प्राई। ग्रचल मेरु ल क्ष ग्रा पणुं। ज्ञा न सजल मां त सु नहो ई। ग्रने की न जन हो ई शीतल थी। रूक जल मान हो ई रातो
पीलो हु हो ई पित थी। ४। ग्रसुचि जल मां ग्रा स्वा मारे। ग्रशुचता पां मे न हि। ते वा स्वि रूप धर मां हे हि गो। ग्रंतर मां ग्रा मे न हि। ५। सुर
सरी के रा नि र मारे। प वित्र न हो ई ही न मणि। सुधा जल मां ग्रा च्या मारे। ग्रमर न थाई। ग्रस्र मणि। ६। पा चमां हे हो वा ही गो। पा ताल मां हे ष
हु पमी। ग्रणले गी पद ए म ज ाणो। बीजे ककारण पुरु च्यो। ७। ग्रकर्त्ता हा उपा धन मचे। उत्तम मध्यम ग्रव नितणि। मा हा पद नुं नि हा
मा ल ए हुं। जो हो पद न मले ते ग्रन ग्रा पणि। ८। विषय णजट लोक सा। ते रसा ग्रव ना ग्रव विषे। व नि रेकना वेवा लीमा हे। ग्रनुवदमा। १६
खबो ल। ग्रम ग्रा घो ल क्ष वह विना। समज्या खरा षे सारखे। ग्रर्थ वेस्त मा स्वे। विहरी करी वात मो टि ते राष्ट्र करे पा स्यहु। २०। करुच
खा ग्र हलका युणा। एम यम जे बे माहे तनें। एम ग्र ने यम जे ते। सेवे री गुरु यें न ने। ११। कलबीर हं। । राग सारंग। । यें तो बात वरी
मा हा पद कि। हे का। रा ध्यान ग्रा क बुने हि जा ग ति। ए सी स्त्री न बे रूप कि। यें तो। १। हुं बे वा ति न हे तम ने च्या स्म ता। कहा क हु को वि भ की।
ग्रापे ग्रवा म वा म्य करी बोलता। ग्रें जब कया मा हा नि धकी। यें तो। २। जे हो कब ना हु ता हे मत कि। या हा मन हो जां हु कि। जुना ति त
सुरते कि हुं लगना। बो जय गहि ची दघन कि। यें तो। ३। या हु क या णा ग्रा च्या न दी जो में। वांए बुरा ज्या हा सुकृत की। यें तो। रूप ग्र रूपी ग्रा
प ग्र स्वादे। बुज्यबको ए ग द्य कि। यें तो। ४। । दे शी चाल ति। । जे घट उपर्तुं ए हवुं ज्ञा न जी। सा हा रु ग्रमतुं थयुं ग्र व स्था न जि। जे
वह श्वर तुं पो म्युं नि हा न जी। नि हा थी हलियुं ग्रम हतिनुं जो न जि। १। उथलो। । ग्रम हतिनुं जो न टलुं। सधार थ जो मति म थवुं। हु वेक
कुंहा न पढजे। ग्रम र व ग्रम र्थुर खे। २। नाय पतां जल मि मो क्षा। वे याधि क यें भ वे दांता। हा लो उपदेश णि क हि कथा। जां णजो

तमेसीत। २। येक्यांष्पनेजन्तकरता। चार्वाकबोधनेजैन। एउपहरणनानेहलांणो। शरीरसंबंधीचिंत। ४। जुदिलमुंक्तिमालाधा
रो। करेतेरवचनकेय। कोवालायेलीयवटे। कंठलंगयोवजुपहरा। ५। एछद्रानेतमुंलगा। मास्त्रकेरांतेनांम। तेहनाथसा
पारवैरुछनुं। वात्मागोमोगमाडु। तेपारवैरुछाबल्फरुयवां। गणतांतेनावेछेकतिमत्तजारवैनुजुवा। पणचाल्यानहिमलेएका
१। एकनंदनंदेमांहोमां इं। अनेपोतानुंकरुप्यार। षटदर्शनेरवटपटे। पणनकरेमुक्तविचार। ६। चक्तिरनेतेहपाकें। अक्षरतणि
लेउटा। योधीनलावेरुममत्यामांहें। बांधीरखारवटकोट। २। खटेकरेवादमांहा मांहें। त्याहारेमछनेपोखमाय। समभमांमाया
आपेपरख्या। पणछाड्योकायनजाया। ३। कहेअखोयरुक
कोसुणो। एसमझजेमाहुतनें। एहनुंकारदतोहाथआवा। जोयेवेहरागुरुसंतनें। ११। कमबा २। ५। यंतनोमोहोटामहिमायजी। सोजें
काराजयंतपयायजी। यंतनायस्तानगीतागायजी। साधुलेवंतोकारज्मथायजी। १। उथलो। कायद्वायनेगुनएलांयें। तांनयथा
रघउपजें। निर्मलनेत्रनेकरेहरीजन। जोनावेयंतजननेकजे। २। नाइनावनउपनेज्यालगें। तृषावंतनेजीमतोयनो। नावविनांष्ट
श्रुतितनजरुवो। करावनदितेकेरुनो। ३। रसविनाजीमरांमनमलें। खरांकिधाविनाखेपा। जिमपीपाप्याजायपीनकिधो। सुतोई
जलमेपा। ४। नाइआदरविनाआवेनही। स्वतेआत्मारांम। यंतनेयेवेंकार्यसाधे। होयषेपांमनिजधीम। ५। यंतमंगकिधांविनाजेइवो
वनमांहेलापस्यु। उपजेषपेतेवननोवनमांहें। तेहनेवस्तीनुंयुषनहिकिसुं। ६। यंतनयंगतेसंतवसमझें। पसुरलिनेयाईपात्र। यंतरूपादृ
ष्टीकरेतोनवपल्लवथाईगात्र। ७। कोमकोधलोभमोहतापें। वलिरसाजेमनातेजीवनेगदाथावानें। संतनेपरजन। जेममनाधोणा
ईजीतरी। जीवपम्पाकालनेलाथा। तेहनेसंतरूपादृष्टीकरीनें। कापिमुंकेनाथा। ८। जेमकेसरीकेरागंधथि। नाइकरीपत्राईकोट्टाति
मलंतकेराशाष्टसुंण तो। बंधनजाईबल्फयोट्टा। २०। कहेअखोएतोममोहटो। वरवानोबेजंतनें। तरीगमजीमजीवतारारेवेषु।
आहारयेवेहरीगुरुसंतनें। ११। कमबा २। रागयेधुओ। । हरीहरीजनअलगाकरीरखेगणो। संतयेमातीएम्यांमास्वा
निगुणब्रल्फयगुणगंतकरीजाणवा। जिमवल्फीथीतेजवंतथाईदिवा। हरी। १। अमीथीदीपघाईबल्फज्यादरकरी। दीपथीदी
पथायजयेहजो। तीमगांनिजिमुक्तनेजांणोगोवंदनें। हरीकृष्णभगवानकेरेजेवेहजो। २। हरी। दृष्टउपरांतेआपमोहटिकरो। जेलक
रीजननांकाजयहेजें। संतयेवेतासुपरोईअतिघणुं। जोमहपुरुषमनशुंजे। ३। हरी। ३। प्रतरुरामतत्ववेत्तावि षें। जीमकनकनेरुं

फलचिनदीसं। मनक्रमक्चनेयंतनजपेअखवा। तेहनुंदेतदेषीमननहिजडासें। हरी।४। ।देषीवालति। संतयंग कीजेवलिवलीज
नजी। अनुभवबोधअखायाहीनहीनजी। मायाउपरथीउतस्यामनजी। हरीसुंटलेलीनाकीनजी।१।उथलो। ।नीनरलेवस्तुमलें। मो
होटीमहीमाहरीजलनो। खेतनसागरमाहेंलेलो। अधायटलेअनुतनो।२। साकेजीवनजेसंतजनुं। चबमाहेतियतां। सुखदा
इतेहनेहायंकल्पको। जेहनेसंतसाथेंरत्या।३। आपमरीषोकरीमुंके। एहवितेयंतनारीत्या। जीमवेहरोनकरवरतो। जेमबेघनूनिनी
त्या।४। खेचेयरीसंसकृजनें। तेलेफलेतेनारअणार। हरीहरीतेकरीमुंके। एहविसंतसंगतयारा।५। मुकजवाग्योतिलरिसातामघ
नोयोको। परजनआयेमयघणुं। पलपीनसटोके।६। तिमअयंतयंतयंग तकरें। पलआगेनदीतहनेयंग। मेरुलनफिलमाया
मध्यघि। ज्यमतिमपकेतेहनेंलेंग।७। जीमतिलरूममकरीवाग्योई। तिलमध्यघलेलागेवाग्यातेमध्येआवेकाकरी। तेहनेंलागेआ
यायटजीमनातिलमध्येजीजारहो। पलअंतेरनटलेआग्या। निरतेहनेमुंकरें। जोजेहवानहिजाग्या।८। जेमचंदनेगंधेकरीधा
यचंदनआकपलाश। पलगांवूनहोईवांयनें। तेहनेनहिलागेवाय।९। कहेअखोहरीरूपांहोयतो। यमुंपकेजेंतनेंहिपहरी
मनमोहेतेजंतनेंजेयेवेहरीगुरुसंतनें।१०। कहबो३७। यंतयंघकरतांविलंबनकिजेजी। जेमतिमकरीनेहरीरूपीजजी। मा
हाजनमेंगेकारजाये जेजी। वस्तुरूपथइनेजीवीईतिकालआपमईत। तत्वयघ
लाएमहीसें। जीमपटविषेंत।२। जीमछिबनेरमखरीउपजें। तोउपरआवेंजलमाहेथा। तनीयुसनोनाणोपरजन। आ
विवरयकोयथी।३। तेहनोसुखविकयीरहोलेवाकाजेबेउनें। तोसुगतानिपजेमाहांमोहरी। पांमनिजआनंदघन।४। जे
मरुरामणयोबाहरनआवें। तेतरुगालिरहेखरी। तेमरुरीहरीजनकजुनसेवें। तनपांमेनिश्चेंहरी।५। तेहजहषानोबेउ
बीजोपकेतआहिनासुखविषें। तेरुंफलाफलथइनिपजें। तेणेमृतुपांमेंजेकोयऊषा।६। ऊतकचनमांकहेजेथारघ्याजेबो
ऊंयरखजबुध्यबहें। पात्रजागेंचलुंलुंबुं। तीमक्षेत्रनोवेदरोपहे।७। जोनिर्मलबुध्यसंतसेवीइ। तोउपजेनिर्मलेषानो। मनभावा
वाकमणाईरोखेबोहरीवीषभानाटो। जेमकुंजीमुकेईकानें। तेहरजबारोकरें। तेहुंसुतंरहेघरषीमांहामाहे। तोअपत्यनि
हांथाउछरें।१०। विलसेवसेबायबालकें। तिमरूपाआवेगुरुहणी। तीमगुरुहणानमलिओहरी। जेहनुंमनरहेगुरुचरणनि

णि।१०। कहेंअखोअलकोयुंणो। एकफलबंबुधीबंतनें। जेणेगुणतामांऊरुपेवचननांतेसेवेंहरीगुरुसंतनें।११। कहबो३४। संतनेरहेवें
तेमाहायुषपांमेजी। मनभलागेंबिजनामेजी। जनममरणनेयुषडरवर्वामेजी। जीमजलहलिआवेंनिश्चेंषांमेजी।१। उथलो। नीचेषांमें
जलहलिआवें। तांखीमामाटेरहेंअलूकें। तेमरामझहेमांहेरषवाखो। गुरुगावेहोयरकसु।२। जेमजगवीनवाहलो। तीमजगतबालो
जगबीननें। मंतरमांहेंजोआवेजांणी। एकनेमुंकिधामनें।३। जेहवाजगतमेंजगवीनहुंजलें। तेहवोजगतहुंजरींमे। जगतबिजाछेयणा
पणइछेधर्मअथमोक्षनेकांम।४। मकांमजेस्वांमीमेंजजें। अंभवएकनहिकिर्यु। निःकामबालालाघनें। हेतेजेहुंमनोंप। अलखेगी वसुं
नीजेजरूमाहसीमि। कोयकजांणेतेकरी। तांअेयधातांकारणनरहोतेजांणजीलेआवरी।६। नाश्यंतयंगअनापमोक्षोहोएयनातेबा
पहीखुंकरें। जेहनेविनयेतेजांणयें। अखोतिहांएटलुंकहें।७। जेहनेरूपाविधांनरूपाकरे। नित्यतनेअलखरूमलेंअद्यघ्यमलतपारपीमें
जीवब्रह्ममांहेनलें। ए।जीवब्रह्ममांहेंलयानो। अखेगीतामांजेहवो। अर्जुनवतांअहेतथइनें। अविचलवांणिबहवें।९। काया लेशकीधो
विनो। श्रीकृष्णमांहेंतेजन्मलें। एगीतादुहारहजांणें तेनरजीवतनकृपारलें।१०। कहेअखोएगीताकेरी। गम्यथाईजेजेतनें। तेहनेरांमकृष्ण
यारहेवायो। प्रतापयहगुरुसंतनें।११। कहबो३५। अहेतपरतेवींणीमांनावेजी। जेआवेंतेहतजकरावेजी। एगीतातेहेयमावेजी। वाकजाले
वामनेमारोलक्षआवेजी।१। उथलो। ।वाकजाजलनेविश्वमांहें। अणछुंजांणेयकें। नानाविधनिवांएपवाछि। मननामनबलूलोबकें।
२। वस्तुविचारेविचनहिं। तोआवुणतेहनांखोखरी। एनोवंधासचेपोताकेरं। विंहेनलरवीमावांकसां।३। यंयारघुतवंधमातणो। तेजांणे
जांनिरधारपोतेकरुपोनेकांनलें। वींएनोविस्तार।४। धर्मअरथमोक्षकांमलखीयों। चुतनबिष्मनेवर्समांना। ब्रह्मचारीयतीवानप्र
यंमाखी। एवंधासुतनिरोंन५। एअंजडउहोजस्वेहजरामउजा। आरखाएपषोरासीलख। स्वर्गमृतुपातालहसोहीख। एवंधासुतनिपष्म
ए।जन्ममृतुसुंनहुकमर्युंए। नथाकोईआईं। मंचजंतनेंजोगनअंजनाएवंधासुतनोकाय।७। घातालुकाहेराकालमफलाअवजांणोएह
थयुनथीतेहनोथापयारुनो। मएतोमीथ्यानरनाहेहा। वस्तुविवेकेस्वानथी। एअलछुंथाईरहिजाईं। सावतोतेमनोतेमुखहा
जनलेंगहिआईं।९। जेहनेयहयारुकंचावनहिं। अनविनाग्रहेतेकेंए। आरोपणजेविश्वयथलुं। एतत्सुरूढलेगुरुंचरणनि
र्णा१०। कहेंअखोएवस्तुविचारें। नमलेकायअस्वलजंतनें। जीमछेतिमनातिमयहा। निजसुरवमांहेतनें।११ कहबो३६

अरवेंगी रागमाल। एचि इज्यु कातुइयहाइ। ज्यांरांआपापरनमलेअरनिशा। वेरहइदनकराइ। एचीपि। ईंहातितअपरथनिर्गुण तापा१० गुणएकबकईबनाइ। एची।१। अपापर बिमरमनानिरंतर। नपवननुतनकाइ १ एची।१। जाना आयातनिज्यारहनी। गयाएकतनआइथो नननोमस्वळविनस्थोरना। काइछकइछाइ।२। एचि।२। ज्ञानाज्ञेयज्ञानबीनाजेघर। ज्यांरापोहोवतनाकेगीराइ। लक्षाएसअखाजी नांई। यहाअहोदितमांई।३। एची।३। हरीचालति। वस्तुकेरूंवक्रकैमकिधुनव्यजायजी। तेहनोमरणाभोटोआयजी। जीमअणच दुंहिरजमायजी। पीणबाधासायरनिमरसोजायजी।१। सायरतिमनोतिमसदा। येमभाशपदहिमोटुमघणी। तिरकोहिकबणजाण्युं तोसीउछुंहसागरतणि।२। जमाकाईज्ञानननहोई। नारुथीबुंबुधहीं। सेइजएश्वयमांदेहिपस। नजणाईजाईआवडुं।३। तिमजग नजगदीसमां। उतपसलयदृष्टिमेंधरी। पणउंछुअधीकैकांईनधाई। सागरदृष्टांतेकरी।४। नाईमोटिहीसामाशराजकेरी। रसमाईनथाकसी जति। स्कुरसजेयमऊलकेबं। तेवीणिमानुष्याआवति।५। नाईमोटिहराजोअगटें। तोकांईकमोहारुलहें। मोहोटाअवुंछवपाषेएबुं श्राकाहुंकांइयहें।६। जोअनंतकोब्रह्मकहेबं। तोरंतणिमेरेत्यलेनथी। एहवीमाहमोटुममाशराजकेरी। जोचाजिसकेवशहहथी। ७। रसनाथीएकसाधी। जाणवासारु। नारनोइएबंधणो। ब्रह्मकेरीभावनामूंकी। करेविचारजेएहतणो।८। जोपहाडेस्थीनकरामं पहेनुवेब्रह्मकहें। तोब्रह्मनेणगमउणंनहीसं। तेपरमाणुथेपकहें।९। जीमआकोमेकोनरचेइं। ज्ञातिसेआयजाय। अवनीनामंकुर नानाजइषेनेप्राय।१०। कहेंअखोसहकोसुणो। आकालमकुलेमारेतने। पैंकब्रह्मस्वतांतरुथइनें। दृष्टेसरनाअंतने।१२। कहेंव।३१। । एअनंतनेबोजोनविज्ञायजी। महतानावेंमवाणीमांदजी। वचनजागेंतोकुंकेवायजी। मारुचेतनयनमनकायजी १। उधजी। । कायामायाकेणकहंतरुं। जोरांकेरुणारकेरुंहथी। अवउंहतेसाथी। जोरांअरुणारांग्रेरुंहथी। २। उरनिकट तेनाथकिश्रजो। जोमध्यपहारथनाकिकासो। सदानिरंनरबेंतेनरीषो। वस्तुविचारेएअसो। ३। मरणब्रह्मसरीरचोबं। जगतनथीनारधार। परवणहारपरवुंनथी। नथीवीयासाविचार।४। वकातीतचितवेथकें। दइअहबदवस्त। अरुलायएमोटो। नहुउहेंअस्त।५। उदयअस्तब्रह्मकमांहें। दानकरवुंदिनरात। दिनरात्करेकाळमापना। मरणजीवुनबक्कनात्र। स्थुलसोगब्रह्मकमांहें। चो दलोककेरीष्टस्त। अनीरवचनिहिरांबाकेएनपोरोचें। नथिहिरांमंहस्त।१। स्वर्गनरस्वामायहा। तांहांबंधनमुंतेम। थयुंगयुंकोईन

थी। येबेजेजीमबेतिमाहुं। अपापरकोईनथी। नथीजीवबियकुंकिस्यो। सर्वपक्षीमूनथीकेवा। वस्तुविचारेएअस्यो।२। नां नतेयज्ञानाविना। जेमनुंतेमथहइ। एमरणनिरुणतावेतावेतावेताई।२०। कहेंअखोब्रह्मआदुंवचनि। वेचननहिंअंत तनो। अक्षराअतितआनंदपदनिो। गत्रबेमांहतनें।२१। । कहुंवीहइ। । येतथयाणोमारापदजाणेजि। तेआपनहेंबअन नवखीलेजी। आपअणचबुंतेपरमाणेजी। गुणनिगुणउरमांहआणेजी।१। उधजी। । गुणनिगुणकोइनकहेतो। समतत्वय मूल्यासहि। आईनहीतरुनास्तावखांनी। रजुईनहोतोयांनोअहिरा। एनीअणहतानेअणहुं। नासुंतत्वमकरी। तेयथा रथजिमनिमथइ। माईजिमबतिमहरी।३। परपंचेकेरुंपथबुं। मरीचीजेवतत्रहा। तउतेवेउनथाई। समअअमगयातहा ४। समकेमोधनथायथवा। पारआवेपंथना। जीमरीचीकवुंजीवनहुं। तिमभाहाविस्तारमांहतनो।५। एअथबंधत्याहारेटलो। आ रंगुरुगमहोईश्वरी। ब्रम्हवेतामलेआपरा। नाहरेजउबेसवरी।६। सहगुरुविनोब्रह्मसमाकोवा। आपउद्योहथयाविना। येत बेंगप्रतापमोहटा। आवेवफरीजाईजैतना।७। जीमअरहटकालें। अवटुपे। तिरतिमलेहेंयुंए। सेबेंगप्रतापन्नाईए हुंकरमनजनणें।८। नवदुखवीमेमाएकुषपांमअंतरथीआमथटलें। जीवशीवतेएकहोई। जिमसरीतासागरमांहनलें ९। नरनारायणएकवरतीं वेदनितेनरसहाइ। स्मरतारणनावरीजन। निरहंकारणमालमुद्या।१०। कहेंअखोसुषेहोजोग क्षेममाहेंबनें। हेधारीस्वरावोहिलें। पणरुपात्यअनंतनें।११। कहुवा३१। । अखवेगीताजेनरगायजी। अलेआपायेन रहीथायजी। कानलतामाहघनपजायजी। एहवीग्रंथनाबंहलमायजी।१। उधजी। । ग्रंथनामरीमातमोटो। कांमलेतो सुद्धफलेमनवाचाकर्मणाई। जेसुरसहहनेखीजलें।२। रामनारकमंत्रजे। तेअखेगीताजोनावाजनमजरुजोहोयजनें। ते हनमकेत्रस्तावा।३। संसारुपणीमोहनियानविवनावाकाज। ईहमणाजेअखेगीता। पामेसहायघोहितराज।४। एमाहेंतीन भक्तिवैराग्यजे। मोहमायानिरीचएदृष्टा। जिवनमुक्तनेनारमुक्तो। चिंहनजेनीचलिसृष्टा।१। पदहराकेआतिरुकरुवी। जेपरम पदनिवाद्या। संसारयागरउपरे। तेतोबांधाघाट। ए। एरोमाहेंजेआविचरुसे। तेपुषपांमजेपार। बबुकुतेबहबोधी। करुअखोनि रधार।७। पचविषआगलपांचसजे। अखेगीताजोचलेबलेवलेआत्मविद्या। अमरणकेरुंकलांहे। नाघनिरंजनग्रंथकरतां अखोतेनीमीतमात्र। जिमवाजुडीजेनाकजुं। पलबजाकेगुणपात्र।९। जेमरणब्रम्हसरीरचोबं। घटघटबोलणहार। तेजेआ

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017